ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–77
दिनांक– शुक्रवार, 10 अक्टूबर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.4 एवं 23.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 69.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 28.0 एवं दोपहर में 35.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(11–15 अक्टूबर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 11–15 अक्टूबर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम क शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधी में अधिकतम तापमान 32–34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 22–25 डिग्री सेल्सियस बने रहने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90–95 प्रतिशत के आसपास तथा दोपहर में 45–50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 5 से 7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई शरदकालीन गन्ना, मसूर, मटर, राजमा, मेथी, लहसुन, धनियाँ, राई एवं सुर्यमुखी फसलों के समय से बुआई के लिए खेतों की तैयारी करें। खेत से सटे मेड़ों, नालों एवं आस–पास के रास्तों में उगे अवांछित जंगलो की साफ–सफाई अवश्य करे। ताकि इन जंगलों में छिपे कीट व रोगों के कारक आदी सम्पूर्ण रुप से नष्ट हो जाए। गोबर की सडी खाद 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है। खेतों में अंकुरण के लायक नमी बनाये रखने के लिए खाली खेतों की प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य चला दें।
- उचॉस खेतों में तोरी की बुआई शुरु करे। तोरी की आर0ए0यु0टी0एस0–17,पंचाली, पी0टी0–303 एवं भवानी किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की अन्तिम जुताई के समय 30 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास एवं 20 से 30 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। जिंक की कमी वाले खेत में 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- शरदकालीन गन्ना, मसूर, मटर, राजमा, मेथी, लहसुन, धनियाँ, राई एवं सुर्यमुखी फसलों के समय से बुआई के लिए खेतों की तैयारी करें। खेत से सटे मेड़ों, नालों एवं आस–पास के रास्तों में उगे अवांछित जंगलो की साफ–सफाई अवष्य करे। ताकि इन जंगलों में छिपे कीट व रोगों के कारक आदी सम्पूर्ण रुप से नष्ट हो जाए। गोबर की सडी खाद 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है। खेतों में अंकुरण के लायक नमी बनाये रखने के लिए खाली खेतों की प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य चला दें।
- बालियॉ निकलने तथा दुध भरने की अवस्था वाली पिछात धान की फसल में गंधी बग कीट की निगरानी करें। धान की इस अवस्था में यह कीट पौधों को अधिक क्षति पहुचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इस कीट के शिशु एवं पौढ़ दुग्धावस्था वाली धान की फसल में बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक–एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल 10 प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर 10–15 किलोग्राम की दर से भूरकाव 8 बजे सुबह से पहले अथवा 5 बजे शाम के बाद बालियों पर करें। खतों के आस–पास के मेड़ों पर दवा का भूरकाव अवश्य करें।
- सितम्बर में बोयी गई अरहर की फसल में निकाई–गुड़ाई करें। जून–जूलाई में बोयी गई अरहर में कीट–व्याधि का निरीक्षण करें। पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पूसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुशंसित है।
- अगात मूली की बुआई करें। इसके लिए पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त आदि प्रभेद अनुशंसित है। बीजदर 4 से 5 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा 25×10 से0मी0 की दूरी पर बुआई करें।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले 1 ग्राम फ्युराडान 3 जी0 दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें। 20–25 दिनों वाली फसल में निकौनी करें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 21.6 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी